839. निम्न में से कौन इंदिरा गांधी नहर परियोजना का प्रस्तावित लाभार्थी जिला नहीं है?

(a) पाली (b) सीकर
(c) नागौर (d) जोधपुर

Rajasthan CET (G. Level) 2022 Set-A

Ans. (a) : इंदिरा गांधी परियोजना की शुरूआत 1958 में गोविंद वल्लभ पंत द्वारा शिलान्यास किए जाने के बाद की गई। इंदिरा गांधी नहर पंजाब में सतलज-व्यास के संगम पर बने हरिके बैराज के बायीं ओर से निकाली गई है। इसकी लंबाई 649 किमी. है। इससे लाभान्वित जिलें - श्रीगंगा नहर, हनुमानगढ़, बीकानेर, चुरू, जैसलमेर, जोधपुर, बाड़मेर हैं। इस नहर को मरुगंगा या मरु जीवन रेखा भी कहा जाता है।

840. निम्नलिखित में से कौन सा (सिंचाई परियोजना - जिला) सुमेलित नहीं है?

(a) सावन-भादो-कोटा
(b) सोम कागदर - उदयपुर
(c) परवन लिफ्ट - जयपुर
(d) सोम-कमला-अम्बा-डूगरपुर

Rajasthan CET (G. Level) 2022 Set-A

Ans. (c) : सही सुमेलन इस प्रकार है -

सिंचाई परियोजना	-	**जिला**
सावन-भादो	-	कोटा
सोम कागदर	-	उदयपुर
परवन लिफ्ट	-	झालावाड़
सोम-कमला-अम्बा	-	डूंगरपुर

841. 'ईसरदा बाँध परियोजना' किन जिलों में निर्मित किया गया है?

(a) टोंक और सवाई माधोपुर
(b) कोटा और बारां
(c) झालावाड़ और बारां
(d) डूंगरपुर और बांसवाड़ा

Rajasthan CET (G. Level) 2022 Set-A

Ans. (a) : ईसरदा बांध परियोजना टोंक व सवाईं माधोपुर जिले में बनास नदी पर स्थापित किया जा रहा है। पूर्वी राजस्थान के लिए यह दूसरी बड़ी परियोजना है जो राजस्थान के अलवर, जयपुर, दौसा एवं सवाईंमाधोपुर जिलों को लाभ पहुँचाएगी।

842. कथन (A): वर्षा जल संग्रहण जल संग्रहण की एक प्रभावशाली विधि है।
कारण (R) : पश्चिमी राजस्थान में परम्परागत जल संग्रहण की विधियाँ अभी भी प्रभावशाली है।

(a) A और R दोनों सही हैं और R, A का सही स्पष्टीकरण है।
(b) A और R दोनों सही है किन्तु R, Aस्पष्टीकरण नहीं है।
(c) A सही है, R गलत है।
(d) A गलत है, R सही है।

Complier Exam Date-21.08.2016

Ans. (b) वर्षा जल संग्रहण जल संग्रहण की एक प्रभावशाली विधि है। पश्चिमी राजस्थान में जल संग्रहण की परम्परागत जल संग्रहण विधियाँ अभी भी प्रचलित है। पश्चिमी राजस्थान एक शुष्क मरुस्थलीय प्रदेश है। यहाँ पर जल की कमी पायी जाती है। यद्यपि नवीन जल संग्रहण की विधियाँ भी अब इस क्षेत्र में विस्तारित हो रही हैं।

843. राजस्थान के थार मरुस्थल की परम्परागत जल संग्रहण तकनीक है–

(a) टांका (b) खडिन
(c) बावड़ी (d) तालाब

Lab Asst. (Science) (II Step) 29.06.2022 Shift-I

Ans. (a) : राजस्थान के थार मरुस्थल की परंपरागत जल संग्रहण तकनीक 'टांका' है। 'टांका' एक प्रकार का छोटा व ऊपर से ढका हुआ भूमिगत खड्डा होता है। इसका प्रयोग मुख्यतः पेयजल के लिए वर्षा-जल के संग्रहण हेतु किया जाता है। राजस्थान के निवासियों ने नाड़ा, नाड़ी, कुई, कुंड (टांका), तालाब, बावड़ी, कुएँ, खडीन आदि जल संग्रहण के अनेक तरीके अपनायें हैं।

844. निम्नलिखित में से राजस्थान में कौन सी जल संरक्षण की परम्परागत विधि नहीं है?

(a) नाली (b) नाड़ी
(c) टोबा (d) जोहाड़

RPSC Van Rakshak Exam 11.12.2022 Shift-I

Ans. (a) : राजस्थान में पारंपरिक रूप से जल संरक्षण तालाब/झीलें, बावरी, नाड़ी और पोखर टांका, टोबा, खदीन, कुई, झालरस, जोहड़ आदि विधियों से किया जाता है। अतः जल संरक्षण की पारंपरिक विधि नाली नहीं है।

845. राजस्थान की 'परवन' बहुउद्देश्यीय सिंचाई परियोजना निम्न जिलों को सिंचाई सुविधा प्रदान करेगी-

(a) झालावाड़, बारां और कोटा जिला
(b) टोंक, बून्दी और कोटा जिला
(c) कोटा, बून्दी और झालावाड़ जिला
(d) झालावाड़ और भीलवाड़ा जिला

RPSC RAS (Pre) 2021
कनिष्ठ अनुदेशक भर्ती परीक्षा-23.12.2019

Ans. (a) : राजस्थान की 'परवन बहुउद्देश्यीय सिंचाई परियोजना' झालावाड़, बारां और कोटा जिले को सिंचाई सुविधा प्रदान करेगी। यह परियोजना परवन नदी पर स्थित है। परवन नदी, काली सिंध की सहायक नदी है।

846. निम्नलिखित का मिलान कीजिए-

सूची-I (सिंचाई परियोजना)		**सूची-II जिला**
(i) ताकली	–	झालावाड़
(ii) पीपलाड़	–	कोटा
(iii) ल्हासी	–	बारां
(iv) सुकली	–	सिरोही

कूट-

	(A)	**(B)**	**(C)**	**(D)**
(a)	ii	i	iii	iv
(b)	iv	iii	i	ii
(c)	i	ii	iii	iv
(d)	iii	iv	i	ii

Ans. (a) : सही सुमेलित है-

सूची-I (सिंचाई परियोजना)		**सूची-II (जिला)**
ताकली		कोटा
पीपलाड़		झालावाड़
ल्हासी		बारां
सुकली		सिरोही